वार्तालाप-524, हैदराबाद-1 (आंध्र प्रदेश), दिनांक 29.02.08
Disc.CD No.524, dated 29.02.08 at Hyderabad (Andhra Pradesh)

समयः 00.01-03.56

जिज्ञासुः बाबा, टू लेट का बोर्ड कबसे लगाते है बाबा? वैष्णवी माता आने के बाद लगाते है?
बाबाः नई दुनियाँ में जाने के लिए जो भरती है वो भरती की संख्या पूरी हो जावेगी तो टू लेट का बोर्ड लग जावेगा। नई दुनियाँ की बनने की शुरूआत कब से होती है? अरे! मकान बनता है तो शुरूआत भी होती है। और मकान जब पूरा हो जाता है तो कहते हैं बन करके पूरा हुआ, अंतिम फिनिशिंग पूरी हो गई। वो तो जड़ मकान होता है और यहाँ है चैतन्य मकान। नई दुनियाँ की चैतन्य आत्माओं का संगठन। तो नई दुनियाँ के जो भाँती होंगे उनकी कोई संख्या निश्चित होगी या नहीं होगी? होगी। वो संख्या पूरी होगी और टू लेट का बोर्ड लग जावेगा। अभी भी क्या बोल दिया? जो अव्यक्त वाणी और मुरलियाँ सुनते हैं रेग्युलर स्टुडेन्ट हैं उनको तो ये प्रश्न पूछने की भी दरकार नहीं रहती है। दरकार रहती है?
जिज्ञासुः नहीं।

Time: 00.01-03.56
Student: Baba, when is the too-late board displayed? Is it displayed after the arrival of mother Vaishnavi?
Baba: When the number required for recruitment to the new world is fulfilled then the too-late board will be displayed. From when does the establishment of the new world begin? Arey! When a house is built, then there is a beginning also. And when it is over, it is said that it (building) is ready. The final finishing is over. That is a non-living house (*jar makaan*) and here it is a living house (*chaitanya makaan*). It is a gathering of living souls of the new world. So, will there be any definite number of the members of the new world or not? There will be. As soon as that number is over, the too-late board will be displayed. What was said now? Those who listen to *avyakta vanis* and *Murlis*, those who are the regular students need not ask this question at all. Is there any need?
Student: No.

बाबा: अच्छा तो किसी ने पढ़ा, सुना है तो बताओ। क्या बोला है? अभी लेट का बोर्ड लगा है लेकिन टू लेट का बोर्ड अभी भी नहीं लगा है। सन् 76 में बोला था क्या? नई दुनियाँ की स्थापना और पुरानी दुनियाँ का विनाश की घोषणा तो हुई थी सन् 76 लिए, लेकिन ये नहीं बोला था कि लेट का बोर्ड लगा है या टू लेट का बोर्ड लगा है। दोनों ही बातें नहीं बोली हुई थी। अभी क्या बोल दिया? अभी लेट तो हुआ है लेकिन टू लेट नहीं हुआ है। इसका मतलब? इसका मतलब अभी भी नई दुनियाँ के कुछ भाँती हैं जिनके नम्बर डिक्लेयर होने वाले हैं। और वो ये भी इशारा दे दिया कि वो नम्बर जल्दी-2 डिक्लैर होंगे। जैसे त्रिमूर्ति के लिए डिक्लेरेशन में लम्बा समय लग गया। या अष्ट देवताओं में से दो मूर्तियों के डिक्लेरेशन के लिए लम्बा समय लग गया। ऐसा लम्बा समय नहीं लगेगा। इसीलिए बोला कि लेट तो हो गया लेकिन टू लेट नहीं हुआ है अभी। चाहें तो नई दुनिया में अपना नंबर ले सकते हैं।

Baba: OK, tell me if anyone has read or heard. What has been said? Now the board of 'late' has been displayed but the board of 'too-late' has not been displayed. Was it said in the year 1976? The declaration of the establishment of the new world and destruction of the old world was indeed made for the year 1976, but it was not said whether the board of late or too late has been displayed. Both the words were not mentioned. What was said now? Now it is late, but it is not too late. What does it mean? It means that there are still some members of the new world whose 'numbers' (ranks) are to be declared. And a hint was also given that those numbers will be declared quickly. For example, a long time was taken for the declaration of *Trimurty* (three personalities). Or it took a long time for the declaration of two personalities among the eight deities. It will not take such a long time (for the declaration of the other numbers). This is why it was said that it is indeed late but it is not too late now. If they want they can take their number in the new world.

समयः 04.05-16.46

जिज्ञासुः वैष्णवी माता कब आयेगी?

बाबाः वैष्णवी माता कब आयेगी? ये तो बोला है कि विजयमाला का आवाहन करना है। क्या बोला? कौनसी माला का आवाहन करना है? विजयमाला का आवाहन करना है। विजय पाने वाली माला जिसके मणके 100% निश्चित हैं कि विजय ज़रूर पावेंगे, कोई भी हालत में उनकी हार हो जाए ये हो नहीं सकता वो विजयमाला के दाने ज़रूर बनेंगे। और विजयमाला सिर्फ रूद्रमाला के मणकों से बनती है या चंद्रवंशी मणकों से भी बनती है? सूर्यवंशी और चंद्रवंशी दोनों के संस्कारों के मेल से विजयमाला बनती है। अब चाहे विजयमाला हो, चाहे रूद्रमाला हो, चाहे भक्ति की माला हो। माया की भी माला होती है कि नहीं? होती है। लेकिन सारी दुनियाँ की जो भी मालायें हैं, बड़ी ते बड़ी, छोटी ते छोटी या नौ लाख की माला हो, या 500 करोड़ की माला हो। उन सबके बीज कौनसी माला में हैं? रूद्रमाला में तो सबके बीज हैं। तो जिस रूद्रमाला में सारी दुनियाँ के बीज हैं उनमें अष्ट देवों के बीज नहीं होंगे क्या? अष्ट देवों के भी बीज हैं।

Time: 04.05-16.46

Student: When will mother Vaishnavi come?

Baba: When will mother Vaishnavi come? It has been said that we have to invoke the *Vijaymala* (the rosary of victory). What was said? Which rosary should you invoke? You have to invoke the *Vijaymala*. The rosary that gains victory, whose beads are 100% certain to gain victory, under no circumstance can they be defeated, they will certainly become the beads of the *Vijaymala*. And is the *Vijaymala* formed just by the beads of *Rudramala* (the rosary of Rudra) or does it include the beads of the Moon Dynasty also? The *Vijaymala* is formed with the combination of the *sanskars* of the *Suryavanshis* (those who belong to the Sun dynasty) as well as the *Chandravanshis* (those who belong to the Moon dynasty). Well, whether it is *Vijaymala,* the *Rudramala*, or the mala of *bhakti*. Is there a *mala* of Maya as well or not? It is. But all the rosaries of the entire world, [whether it is] the biggest, the smallest or the rosary of nine lakh, or the rosary of 500 crores, in which rosary are the seeds of all those rosaries present? *Rudramala* contains the seeds of all. So, will the *Rudramala* which contains the seeds of the entire world, contain the seed of the eight deities or not? It contains the seeds of the eight deities as well.

और वो अष्टदेव दुनियाँ के या भारत वर्ष के खास जो भी अनुष्ठान होते हैं भक्तिमार्ग के उनमें उनको विशेष महत्व दिया जाता है। क्या? नई दुनियाँ का मकान बनाना ये बड़े ते बड़ा अनुष्ठान है ज्ञानमार्ग का। जैसे पुरानी दुनियाँ में मकान बनाते हैं, दुकान बनाते हैं तो पूजन तो करते हैं कि नहीं? धरणी पूजन करेंगे। तो कोई भी अनुष्ठान करेंगे तो आठ की पूजा ज़रूर करेंगे। क्या? याद है या नहीं है? शादी, ब्याह का तो याद होगा। तो नव ग्रहों का पूजन होता है। तो यहाँ भी बाप कहते हैं: आवाहन करेंगे तो जानकर आवाहन करेंगे या बिना जाने पहचाने आवाहन कर लेंगे? जानकर आवाहन करेंगे। और पूरा जानना, पूरा ज्ञान सिर्फ बुद्धि से जान लेने से हो जाता है, तीसरी आँख से देख लिया, जान लिया उसी से ही पूरा ज्ञान हो जाता है या इन आँखों से देखने की भी ज़रूरत रहती है? ज़रूरत रहती है या नहीं रहती है? रहती है। अगर ज़रूरत न रहे तो भगवान बाप को साकार में आने की दरकार ही न रहे।

And a special importance is accorded to the eight deities in the rituals of the path of *bhakti* in the world or especially in India. What? The biggest ritual of the path of knowledge is to build the house of the new world. For example, when a house or shop is built in the old world, do they worship or not? They worship the land (at that time). So, whenever they perform a ritual, they will certainly worship the eight [deities]. What? Do you remember or not? You might at least remember [the worship of the eight deities] in the marriages. So, the nine planets are worshipped. So, even here the Father says, 'When you invoke (the *Vijaymala*), will you invoke then after knowing them or will you invoke them without knowing or recognizing them?' You will invoke after knowing them. And does the knowledge become complete when you understand through the intellect, when you see through the third eye or is there any need to see through these eyes too? Is there any need or not? There is. If there is no need for that then there is no need for God the Father to come in a corporeal form at all.

इसी तरह जो विजयमाला के मणके हैं... माला एक को कहा जाता है, एक मणके को माला कहेंगे या संगठन को माला कहेंगे? संगठन को माला कहा जाता है। ये निश्चित है कि जैसे मक्खियों कि रानी होती है, शहद की मक्खियों की रानी। और एक रानी आती है तो उसके पीछे-2 सारा झाड़ आता है परंतु फिर भी एक रानी को माला नहीं कहा जाएगा। एक रानी आवे और उसको ऐसे मकान में रख दिया जावे जहाँ चारों ओर मॉस्क्टिो नेट लगा हुआ हो तो कहेंगे कि विजयमाला का आवाहन हो गया? कहेंगे? नहीं कहेंगे। यही हालत है विजयमाला के आवाहन की। ये पुरानी दुनियाँ का जो परकोटा है खास कर ब्राह्मणों की दुनियाँ का... कोई भी किले के दो प्राचीर, दो परकोटे होते हैं। उनमें बाहर का प्राचीर टूट चुका है। कब से? सन् 76 से ही टूट चुका। वो नॉन सरेण्डर्ड वर्ग है जिन्होंने परकोटा तोड़ लिया है बाहर का। वो नॉन सरेण्डर्ड वर्ग भगवान बाप के ज्यादा नज़दीक है या जो अंदरूनी परकोटे में बैठे हुए हैं वो ज्यादा नज़दीक हैं?

जिज्ञासु: अंदरूनी परकोटे में जो बैठे हैं वो ज्यादा नज़दीक है।

बाबा: वो ज्यादा नज़दीक हैं? मैं तुम बच्चों को ज्ञान सुनाने के लिए आता हूँ। तो पतितों को ज्ञान सुनाने के लिए आता हूँ या जो जन्म-जन्मांतर के जो पावन हैं उन सन्यासियों को ज्ञान सुनाने के लिए आता हूँ?

जिज्ञासु: पतितों को।

Similarly, the beads of the *Vijaymala*.... is a single person called a rosary, is a single bead called a rosary or will a gathering be called a rosary? A gathering is called a rosary. It is certain that, just as there is a queen of bees, a queen of honey-bees. And when one queen comes, the entire tree (i.e. bee hive) comes behind her. But still one queen will not be called a rosary. If one queen comes and if she is placed in a house where she is surrounded by a mosquito net, then will it be said that the *Vijaymala* has been invoked? Will it be said so? It will not be said so. This is the very condition of the invoking of the *Vijaymala.* The surrounding wall of the old world, especially that of the world of Brahmins.... there are two surrounding walls of any fort. In that the outer wall has broken. Since when? It has broken since the year '76 itself. That is a non-surrendered category which has broken the outer wall. Is that non-surrendered category closer to God the Father or are those sitting inside the inner wall closer?

Student: Those sitting inside the inner wall are closer.

Baba: Are they closer? I come to narrate knowledge to you children. So, do I come to narrate knowledge to the sinful ones or to the *sanyasis* who are pure for many births?

Student: To the sinful ones.

बाबा: फिर? भगवान बाप पतितों को पावन बनाने के लिए आता है। पतितों को आकरके ज्ञान सुनाता है। तो पतितों से प्यार करता है या नफरत करता है? पतितों से प्यार करता है। लेकिन वो पतित भी ऐसे होने चाहिए जिनमें पूर्व जन्म के ऐसे संस्कार हों, तीव्र संस्कार की बुद्धि की आँख से चाहे स्थूल आँख से एक सेकण्ड की नज़र भी पड़ जाए तो खीचें चले आवें। इसीलिए बोला तुम्हारे कुल का होगा तो दो अक्षर भी सुनेगा तो खींच के चला आवेगा। जो बाहरी परकोटे के प्रवृत्ति मार्ग के जन्म-जन्मांतर के बच्चे हैं, भल पतित बने हुए हैं वो बाप के नज़दीक आ जाते हैं। परंतु जन्म–जन्मांतर का पतितपने का जो लेस चढ़ा हुआ है वो जल्दी खतम नहीं होता है। उसे क्रॉस करने के लिए उन्हे ऐसी आत्माओं का सहयोग भी चाहिए जो जन्म-जन्मांतर की पावन आत्मायें हैं, 21 जन्म की सहयोगी आत्मायें हैं। तो वो आत्मायें असिसटेन्सी में हैं या मुख्य पार्टधारी में हैं? असिसटेन्ट हैं। उन असिसटेन्ट्स का जो मुखिया है वो विजयमाला का हेड है परंतु किस बंधन में बंधा हुआ है? मच्छरों के बंधन में बंधा हुआ है। जो मच्छरों के जाली है उसमें बंधी हुई है। वो जाली भी टूट जाए। अंदर का जो परकोटा है वो जब तक नहीं टूटेगा तब तक विजयमाला का आवाहन नहीं हो सकता। परंतु यहाँ तो बाप ने बताया है कि विधिपूर्वक सारे कार्य सम्पन्न होने हैं। विधि से सिद्धि मिलेगी। विधी क्या है? अरे अनुष्ठान करते हैं दुनियाँ में कोई भी, या भारतवर्ष में जो भी अनुष्ठान करते हैं उनमें क्या विधि अपनाते हैं?

जिज्ञासु: नव ग्रहों की पूजा करते है।

Baba: Then? God, the Father comes to purify the sinful ones. He comes and narrates knowledge to the sinful ones. So, does He love the sinful ones or does He hate them? He loves the sinful ones. But they must be such sinful ones that they must have the *sanskars* of the past birth, such strong *sanskars* that even if they are seen through the eyes of intellect or through the physical eyes even for a second, they will be pulled. This is why it was said, if someone belongs to your clan, he will be pulled to you even if he hears two words [of knowledge] . The children of the outer wall who belong to the path of household for many births, although they are sinful, they come close to the Father. But the peel of sinfulness of many births does not end quickly. In order to cross that the help of such souls who are pure for many births and who are helpful for 21 births is also required. So, are those souls in assistancy or are they the main actors? They are assistants. The chief of those assistants is the head of the *Vijaymala*, but in whose bondage is she bound? She is bound in the bondage [like that] of mosquitoes. She is bound within the mosquito net. That net should also break. Unless the inner wall breaks, the *Vijaymala* cannot be invoked. But here the Father has said, all the tasks are to be accomplished as per due process (*vidhipurvak*). Success will be achieved by following the due process. What is the due process? Arey, whenever a ritual is performed in the world, in India what is the due process adopted?
Student: They worship the nine planets.

बाबा: हाँ। अष्ट देवों की आवाहन करके उनका पूजा करते हैं, उनको पूज्य मानते हैं। उनकी मनौती पहले करते हैं। जिन्होंने अपने परिवार के मुखिया को ही नहीं पहचाना.... रूद्रमाला है, तो रूद्रमाला के जो भाँती हैं वो पहले अपने परिवार के मुखिया लोगों को पहचानेंगे कि दूसरे परिवार के मुखिया को पहचानेंगे? अपने परिवार के जो मुखिया हैं अष्टदेव उनको पहले पहचानने वाले होंगे। पहचानने वाले होंगे, जानने वाले होंगे, मानने वाले होंगे और उनके कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले होंगे। तब कहेंगे कि विजयमाला का आवाहन करने का फाऊन्डेशन डाल रहे हैं। फाऊन्डेशन पक्का होगा तो विजयमाला भी पक्की बन जावेगी। फाऊन्डेशन ही पक्का नहीं होगा तो विजयमाला का आवाहन कर लेंगे क्या? कर ही नहीं सकते।
Baba: Yes. They invoke the eight deities and woship them. They are considered worshipworthy. They are worshiped first. Those who did not recognize the head of the family... There is the *Rudramala*; will the members of *Rudramala* recognize the heads of their family first or will they recognize the head of others' family? They will be the ones who recognize the heads of their family, i.e. the eight deities first. They will be the ones who recognize, know, and accept (them), and they will be the ones who walk shoulder to shoulder with them. Then it will be said that they are laying the foundation to invoke the *Vijaymala*. If the foundation is strong, then the *Vijaymala* will also be strong. If the foundation itself is not strong, will they be able to invoke the *Vijaymala*? They cannot at all [invoke it].

समयः 16.57-26.15

जिज्ञासुः बाबा, विजयमाला का बीज तो आई हुई है ना? अष्ट देवों का दूसरा मणका तो....
बाबाः विजयमाला तो नहीं आई हुई है ना।
जिज्ञासुः मगर बीज पक्का है तो आना है ना?